



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैर्घ्यभूमि

दिनांक
७-६-२३

पृष्ठ संख्या
१

कॉलम
५-४

विवि ने अपनी उपलब्धियों के कारण अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाईः कुलपति

देश के कृषि शोध संस्थानों में एचएयू टॉप 10 में

हरिगौण न्यूज ऐडिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हक्की ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के रैंकिंग फ्रेमवर्क में एचएयू का कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण

आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हक्की ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों विद्यार्थियों को बधाई दी।



हिसार। हक्की का स्वर्णिम द्वार।

फोटो: हरिभूमि

इन आवार्ड एवं तथा टार्फी के टैकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सौख्यों और संसाधन, अनुसंधान और पैशेकर अस्यास, आउटरीव और समावेशित, स्नातक परिणाम और धरणा आदि शामिल हैं। यह टैकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियाँ हैं विश्वविद्यालय के नाम



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर हक्की ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी मार्गीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्कार पुरस्कार, सर्वाद पाटेल सर्वश्रेष्ठ जारीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं। हरसी प्रकार विश्वविद्यालय नक्काश संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑफ होमोपेशन एंड एवीलेटर (एआरआईआई) ने कृषि विश्वविद्यालयों जैसमान में प्रकाश द्याने ठारिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने मार्गीय कृषि अनुसंधान परिषद (एआरआईआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईआरआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और उल्लंघन के लिए विश्वविद्यालय ने स्थापित एवं विजेता इनस्टीट्यूशन सेटर को द्व्य-उद्यमियों के विकास की दिशा में नियंत्रित जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नावार्ड तरीके से सम्मानित किया रखा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सन्धि लेख	७.६.२३	५	१-६

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों की श्रेणी में जारी सूची में हरियाणा के चार विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया है। जर्वीक उच्च शिक्षा के बोर्ड में जारी की गई ओवररॉल सूची में हरियाणा के किसी भी विश्वविद्यालय को टॉप 100 में भी जगह नहीं मिल पाई। लेकिन विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 4 विश्वविद्यालयों के नाम शामिल होने से विश्वविद्यालयों के प्रशासन में



खुशी की लहर है। इस सूची में महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय मुलाना, अंबाला को 78वाँ, अमेठी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम को 94वाँ, महर्षि द्वारानंद विश्वविद्यालय गोहतक को 96वाँ व पंजाब में कभी अपना नाम कमाने वाली चौधरी चरण सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को 99वाँ स्थान मिला। हालांकि भारतवर्ष के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में हरियाणा के विश्वविद्यालयों का यह अच्छा प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता लेकिन फिर भी चारों विश्वविद्यालय अपनी-

अपनी पीठ घपघपा रहे हैं। एग्रीकल्चर एंड एलाइड सेक्टर सोमवार को जारी की गई अलम-अलग प्रकार की रैंकिंग में एग्रीकल्चर एंड एलाइड सेक्टर में आईसीएआर नेशनल डेवरी रिसर्च इंस्टीट्यूट करनाल को पूरे देश भर में दूसरा स्थान व चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को दसवां स्थान मिला है। जबकि विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कुलपति, प्रो.बी.आर. काम्बोज ने देश के कृषि शोध संस्थानों में चौथी चरण मिले हरियाणा के विश्वविद्यालयों का यह अच्छा टॉप 100 सूची में बताते हुए, उसे बढ़ी उपलब्धि मान कर विश्वविद्यालय के सभी शिष्यों

कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी है। जबकि हृकृषि का यह स्थान एग्रीकल्चर एंड एलाइड सेक्टर में दिया गया है। सच्चाई तो यह है कि शोध संस्थानों की सूची में हरियाणा के किसी भी विश्वविद्यालय, कॉलेज, रिसर्च इंस्टीट्यूशन, इंजीनियरिंग कॉलेज, मैनेजमेंट कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, डेंडिकल कॉलेज, सॉफ्टवेर कॉलेज, डेटल कॉलेज, लॉ कॉलेज, आकिटेक्न एंड ऐलिंग कॉलेज एंड विश्वविद्यालय में से कोई भी कही भी जगह नहीं बना पाता। इनोवेशन में यूपी रहा आगे इसी प्रकार हनोवरन नवीनीकरण के मामले में भी झाड़यन इंस्टीट्यूट और टेक्नोलॉजी कानपुर उत्तर प्रदेश को पहला झाड़यन इंस्टीट्यूट और

टेक्नोलॉजी मद्रास को दूसरा झाड़यन इंस्टीट्यूट और टेक्नोलॉजी हैदराबाद को तीसरा स्थान मिला है। इस टॉप टेन सूची में झाड़यन इंस्टीट्यूट और टेक्नोलॉजी दिल्ली को भी चौथे स्थान पर रहकर सेतोप करना पड़ा। इस आधार पर तय होती है रैंकिंग केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विद्युत मस्थानों को अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है। जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और प्रशोधन अध्यास, आउटरीच और समावैशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन अंतर सम्मान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्चार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	७.६.२३	१	१-५

उपलब्धि • केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में जारी की लिस्ट एचएयू देश के टॉप 10 कृषि शोध संस्थानों में शामिल

भारत न्यूज़ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में एचएयू ने 10वां स्थान प्राप्त किया है।

एचएयू कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। एचएयू ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में एचएयू शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विविध के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।



इससे पहले कई उपलब्धियां रही हैं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम

एचएयू को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी

अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (अईसीआर) द्वारा 2019 के लिए जारी

आईसीआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एगी-बिजनेस इन्व्यूक्शन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा से श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबाही की ओर से सम्मानित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम
दीन ५ जून २०२३

दिनांक
७-६-२३

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
३-६

कृषि शोध संस्थानों में एचएयू देश के टाप 10 में शामिल

जागरण संवाददाता, हिसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में कैंट्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हक्किंग ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हक्किंग ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टाप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टाप 100 विश्वविद्यालयों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग कैंट्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी



हक्किंग के स्वर्णिम द्वार की फोटो। • जागरण आर्काइव



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। • एआईआई

रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं।

इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग आफ इंस्टीट्यूशन्स आन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स (एआरआइआईए) में कृषि

विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आइसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था। हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एपी-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबाहू की ओर से सम्मानित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
उज्जीत समाचार

दिनांक
७.६.२३

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
५-६

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में: ग्रोकान्डोज

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में हक्कीवि को मिला स्थान

हिसार, 6 जून (विस्तृत वर्णन): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हक्कीवि ने 10वां स्थान जाप किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. कान्दोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हक्कीवि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग: केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी



कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुस्कार मिल चुके हैं।

इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एकोवेंटस (एआरआईआरएफ) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एक्री-विजनेस इनकृयूवेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कामों के लिए नामांक की ओर से सम्मानित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
आज समाज

दिनांक
07.06.2023

पृष्ठ संख्या
--

कॉलम
--

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में : प्रो. बी.आर. काम्बोज

- केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क में हकूमि को मिला स्थान

प्रवीन कुमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हकूमि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकूमि ने देश के

कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा।

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं।

इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबांड की ओर से सम्मानित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंच बजे न्यूज	06.06.2023	--	--

देश के कृषि शोध संस्थानों में हकूमि टॉप 10 में : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हकूमि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकूमि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। माथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इस आधार पर तथ्य होती है रैंकिंग केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच

और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीबमेंट्स (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबाई की ओर से सम्मानित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष न्यूज	06.06.2023	--	--

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में : प्रो. बी. आर. काम्बोज

कौन्तीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में हक्कावि को मिला स्थान

पाठक पक्ष न्यूज

हिसार, 6 जून :

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में कौन्तीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल



रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हक्कावि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कृषिकृषि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज औरराष्ट्रीय व राज्यीय स्तर पर अलग पहचान जर्हाई है।

हक्कावि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जाह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थानित रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इससे पहले भी कई उपलब्धियाँ हैं विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

कौन्तीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विश्वविद्यालयों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम संघ दिया जाता है जिनमें शोधकार्य, अनुसंधान, अनुसंधान और प्रोफेशनल अभ्यास, आठवींसे और यात्रावित्त, शासक वर्गिकाय और धारणा आदि सामिल हैं। यह रैंकिंग विषय कीमें और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

द्वारा सर्वोच्च संस्थान पुस्तकार, सारांश विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईआईआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईआईआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एसी-विडेंस इन्स्टीट्यूशन मेंटर को सह-उत्तमियों के विद्यार्थी की दिशा में किया जा रहे बैठक कार्यों के लिए नवाचार्जी की ओर से सम्मानित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	06.06.2023	--	--

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में

समस्त हरियाणा न्यूज शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को हिसार, 6 जून। चौधरी चरण सिंह बधाई दी। इस आधार पर तथ गीती है हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक रैकिंग कोटीय विद्या मंत्रालय द्वारा जारी और उत्तराधिकारी जुड़ गई है। देशभाग में कोटीय रैकिंग के लिए विद्यालय संस्थानों को कृषि विद्या मंत्रालय द्वारा कर्व 2023 के लिए मार्गदर्शन द्वारा उनके प्रदर्शन के अनुसार जारी भेशनल इंस्टीट्यूशनल रैकिंग फ़ेसबुक कॉलेज ऑफिस का द्वारा जारी है जिसमें योग्यता (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में और संसाधन अनुसंधान और ऐक्यवर्ती ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। अभ्यास, आउटरोर्स और सम्बोधिता, विश्वविद्यालय के कृत्यकालीन प्रो. वी.आर. स्कॉल फैरिलैस और भारतीय अंडर ग्रामीण विकास के कारण आज प्रकार के आधार पर तेजारी की जाती है। यह रैकिंग विद्यालय और संस्थान के अपनी उपलब्धियों के कारण आज प्रकार के आधार पर तेजारी की जाती है। विश्वविद्यालय व ग्रामीण स्तर पर अलग पहचान इससे यहां भी कई उपलब्धियां हैं। हक्की ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विद्यालय में देशभाग में उत्थम स्थान वा और हाल ही में विश्वविद्यालय में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्कार को और से जारी अटल रैकिंग भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को स्व-उत्पादियों के विकास को दिला में उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुस्कार एवं विभिन्न एकेंग में तीसरा स्थान पाया और मे सम्मानित किया गया है।



विश्वविद्यालय के नाम ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय भावत संसाधन विकास मंत्रालय भावत हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने स्वाधित एवं-विजयेन्स इनवेस्टिगेशन में टॉप 100 विश्वविद्यालय शामिल किया है। उठीने इस संस्थान पुस्कार, सरथर पटेल सर्वश्रेष्ठ और इंस्टीट्यूशनल और इनोवेशन एवं (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी किए जा रहे ब्रेंड कार्यों के लिए नवाहद की उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुस्कार एवं विभिन्न एकेंग में तीसरा स्थान पाया और मे सम्मानित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पजाल कैसरी

दिनांक
7-6-23

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
७-४

पॉलीथिन का उपयोग न करने की शपथ दिलाइ



कार्यक्रम में महिलाओं को पर्यावरण सुरक्षा की शपथ दिलाती वैज्ञानिक।

हिसार, 6 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढंगर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'कृषि में महिलाएं' के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. भेंजु भेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर गढ़वाल

समूह की महिलाओं को पुराने बस्तों से थेले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विभाग द्वारा की गई। मुख्यातिथि ने उपस्थित महिलाओं को दैनिक जीवन में पॉलीथिन का उपयोग न करने की भी शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के दैरान स्लोगन लिखाई, विवज प्रतियोगिता व 'बैस्ट आक्ट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता शामिल थी। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ज्योति व द्वितीय स्थान पर ममता रही। मुख्यातिथि द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
सन्च मृदू

दिनांक
7-6-22

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
३-४

दिनचर्या में पॉलिथीन का उपयोग करने से बनाएं दूरी: डॉ. मेहता



महिलाओं द्वारा पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए शाखा दिलाती दैज़ानिक।

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढांदूर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना कृषि में महिलाएं के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अंतिष्ठि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजू मेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पुराने बस्तों से थेले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यक्रम के अंत में डॉ. संतोष ने

मुख्यालिथि "डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके अलावा पराली को भी नहीं जलाना चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण की समस्याएं उत्पन्न न हो। उन्होंने पॉलिथीन का प्रयोग करने व पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण के बारे में गहनता से जानकारी दी। साथ ही निदान भी बताए। मुख्यालिथि ने उपस्थित महिलाओं को ऐनिक जोखन में पॉलिथीन का उपयोग न करने की भी शपथ दिलाई। स्लोन प्रतिवेशता में प्रथम स्थान पर ज्योति व हितीय स्थान पर ममता रही। मुख्यालिथि द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संतोष ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्ति पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दौरा : ५२८	७-६-२३	१०	६-४

दिनचर्या में पॉलिथीन का उपयोग करने से बनाएं दूरी : डॉ. मेहता

हरियाणा न्यूज़ || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढहर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना कृषि में महिलाएं के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता महिलाओं को सम्मानित करती हुई।



हिसार। कार्यक्रम में होम साईंस महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता महिलाओं को सम्मानित करती हुई।

फोटो: हरिष्मि

दिया गया। इस कार्यक्रम की चाहिए। मुख्यातिथि ने उपस्थित प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड महिलाओं को हैनिक जीवन में विभाग द्वारा की गई। मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि पर्यावरण भी शपथ दिलाई। मौके पर कार्यक्रम को स्वच्छ रखने के लिए हमें पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना पॉलिथीन का उपयोग आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	06.06.2023	--	--

दिनचर्या में पॉलिथीन के उपयोग से बनाएं दूरी : डॉ. मंजू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढंहूर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'कृषि में महिलाएं' के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पुराने वस्त्रों से थैले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की



प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विभाग द्वारा की गई।

मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके अलावा पराली को भी नहीं जलाना चाहिए

ताकि पर्यावरण प्रदूषण की समस्याएं उत्पन्न न हो।

डॉ. किरण सिंह ने बताया कि पॉलिथीन बैग का इस्तेमाल हमारी भूमि की उर्वरता को कम करता है। नोडल ऑफिसर डॉ. वीन सांगवान ने महिलाओं को श्रीअन्न मोटे अनाजों

को दैनिक दिनचर्या में थाली में शामिल करने व इसे खाने से होने वाले फायदों के बारे में भी सभी को बताया। डॉ. एकता रोहिण्णा ने पर्यावरण दिवस को मनाने के उद्देश्यों के बारे में बताया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक वीरेंद्र श्योराण ने पॉलिथीन बैग की जगह कपड़े के बैग को प्रयोग में लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान स्लोगन लिखाई, क्वीज प्रतियोगिता व 'बेस्ट आउट ऑफ बेस्ट' प्रतियोगिता में शामिल थी। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ज्योति व द्वितीय स्थान पर ममता रही। मुख्यातिथि द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.06.2023	--	--

दिनचर्या में पॉलिथीन का उपयोग करने से बनाएं दूरी : डॉ. मंजू



पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गंव ढंगर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'कृषि में महिलाएं' के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं

को पुराने वस्त्रों से थैले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विभाग द्वारा की गई।

मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके अलावा पराली को भी नहीं जलाना चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण की समस्याएं उत्पन्न न हो। उन्होंने पॉलिथीन का प्रयोग करने व पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण के बारे में गहनता से जानकारी दी। साथ ही निदान भी बताए। मुख्यातिथि ने उपस्थित

महिलाओं को दैनिक जीवन में पॉलिथीन का उपयोग न करने की भी शपथ दिलाई।

डॉ. किरण सिंह ने बताया कि पॉलिथीन बैग का उत्तमाल हमारी भूमि की उर्वरता को कम करता है। नोडल आफिसर डॉ. वीनु सागवान ने महिलाओं को श्रीअन्न मोटे अनाजों को दैनिक दिनचर्यां में थाली में शामिल करने व इसे खाने से होने वाले फायदों के बारे में भी सभी को बताया। डॉ. एकता रोहिला ने पर्यावरण दिवस को मनाने के उद्देश्यों के बारे में बताया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक वीरेंद्र श्योराण ने पॉलिथीन बैग की जगह कपड़े के बैग को प्रयोग में लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान स्लोगन लिखाई, क्रीज प्रतियोगिता व 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता शामिल थी। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ज्योति व द्वितीय स्थान पर ममता रही। मुख्यातिथि द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संतोष ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमात्रार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	४.६.२३	५	१-५

तकनीक • डीएसआर मशीन से बिजाई करने पर आता है 500 रुपए प्रति एकड़ तक खर्च बहुफसलीय प्लांटर से धान की सीधी बिजाई के साथ-साथ कीटनाशक का भी किया जा सकता है छिड़काव

एचएयू के कुलपति बोले-
धान की सीधी बिजाई में
मशीनों की भूमिका अहम
भारत न्यूज | हिसार

धान की सीधी बिजाई में मशीनों की भी अहम भूमिका होती है। बहुफसलीय प्लांटर से धान की सीधी बिजाई के साथ-साथ कीटनाशक का भी आसानी से छिड़काव किया जा सकता है। इसके अलावा एक 9-फले वाली डायरेक्ट सीडेड राइस(डीएसआर) मशीन से बिजाई करने पर मात्र एक एकड़ में 500 रुपए तक का खर्च आता है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर कामबोज का कहना है कि धान की सीधी बिजाई में मशीनों की भूमिका भी अहम होती है। किसीनों को इस संबंध में निशुल्क टिप्पणी भी दिए जा रहे हैं।

पहले खेत को मशीन से समतल करना जरूरी

विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि धान की सीधी बिजाई करने के लिए बहुफसलीय प्लांटर का उपयोग किया जाता है, जिसमें द्विकों हुई प्लेट युक्त बीज मापन यंत्र लगा हो। मशीन के पीछे खरपतवार नाशी के छिड़काव के लिए बड़ा सा टैंक व 4-6 नोजल लागी हुई होती है, जिससे धान की बिजाई साथ-साथ खरपतवार नाशी का छिड़काव भी किया जा सकता है। इस मशीन से खेत को समतल किया जाता है। एक 9-फले वाली डीएसआर मशीन के परिचालन की बात की जाए तो यदि इसे 3 किलोमीटर प्रति घंटा की औसत गति से चलाई जाए तो इसकी कार्य

आसानी से खेत कर सकते हैं खरपतवार

संस्थ विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि धान की सीधी बिजाई में खरपतवार से निपटने के लिए बुआई के समय मिट्टी में नमी हो तो डीएसआर मशीन में लगे छिड़काव यंत्र का प्रयोग करके बुआई के साथ-साथ खरपतवार नाशी का छिड़काव किया जा सकता है।



नम व सूखी विधि से होती है धान की सीधी बिजाई

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि धान की सीधी बिजाई दो तरीकों से की जा सकती है, जिसमें पहली नम विधि व दूसरी सूखी विधि है। नम विधि में बुआई से पहले गहरी सिंचाई की जाती है। जुताई योग्य होने पर खेत तैयार कर मशीन से बुआई की जाती है। बुआई के बाद हल्का पाटा लगाकर बीज को ढक दिया जाता है। सूखी विधि में खेत को तैयार कर मशीन से बुआई की जाती है और बीज अंकुरण के लिए सिंचाई करते हैं। इस तकनीक से बिजाई करने पर किसान को धान की नसीरी लगाने तथा रोपाई करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग 3000 से 3500 रुपये प्रति एकड़ की बचत होती है।